भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 07 अगस्त, 2025
जारी करने का समय: 1330 घंटे

विषय: i) अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर और आसपास के पूर्वी भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, 8 अगस्त को अरुणाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) होने की संभावना है।

ii) 10 अगस्त, 2025 से हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश में भारी से बहुत भारी वर्षा की एक नई लहर आने की संभावना है।

iii) अगले 4-5 दिनों के दौरान मध्य भारत और राजस्थान में हल्की वर्षा की गतिविधियाँ होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में 07 अगस्त, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- ✓ त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- ✓ असम, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है; उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड, मराठवाड़ा और तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया अनुलग्नक I देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- ✓ मानसून द्रोणिका का पश्चिमी छोर समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति के उत्तर में है और पूर्वी छोर हिमालय की तलहटी के पास है।
- ✓ निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर बांग्लादेश के मध्य भागों पर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है जो ऊँचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुक रहा है।
- ✓ निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तरी तमिलनाडु तटों से दूर दक्षिण-पश्चिम खाड़ी पर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ✓ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर तटीय कर्नाटक से दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों तक एक पूर्व-पश्चिम द्रोणिका बनी हुई है।
- ✓ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तर-पूर्व असम और उससे सटे अरुणाचल प्रदेश पर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ✓ मध्य क्षोभमंडल स्तर पर गंगीय पश्चिम बंगाल और उससे लगे उत्तरी ओडिशा पर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ✓ एक पश्चिमी विक्षोभ चक्रवाती परिसंचरण के रूप में उत्तरी पंजाब और उसके आसपास के क्षेत्रों में मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर स्थित है, तथा मध्य और ऊपरी क्षोभमंडलीय स्तर पर एक गर्त बना हुआ है जो मोटे तौर पर देशांतर 76° पूर्व से अक्षांश 32° उत्तर के उत्तर तक है।

इन प्रणालियों के प्रभाव से निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पूर्व भारत:

- **अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी)** 8 अगस्त को अरुणाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर बहुत संभावना है।
- **हल्की/मध्यम वर्षा** कई स्थानों पर गरज, बिजली और अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा के साथ 7 से 13 अगस्त तक अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में जारी रहने की संभावना है। **अति भारी वर्षा** अरुणाचल प्रदेश में 7 से 12 अगस्त; असम और मेघालय में 7, 8, 12 और 13 अगस्त; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 7 और 8 अगस्त को संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- **अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा** उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में 7 से 13 अगस्त; हरियाणा में 11 अगस्त; उत्तर प्रदेश में 7, 8 और 11 से 13 अगस्त; जम्मू और कश्मीर में 13 अगस्त को संभावना है। **अति भारी वर्षा** हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में 10 से 13 अगस्त और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 12 और 13 अगस्त को संभावना है।
- **हल्की/मध्यम वर्षा** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में कई स्थानों पर और मैदानी क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर गरज और बिजली के साथ अगले 7 दिनों तक संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- **अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा** तमिलनाडु, तेलंगाना, रायलसीमा में 7 से 9 अगस्त; केरल और माहे, कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 7 और 8 अगस्त को संभावित है। **अति भारी वर्षा** तमिलनाडु में 8 अगस्त को संभावना है।
- **तेज सतही हवाएं (40-50 किमी/घंटा)** अगले 2 दिनों तक दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में बहुत संभावना हैं।
- **हल्की से मध्यम वर्षा** तमिलनाडु, केरल और माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक, रायलसीमा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना में कुछ स्थानों पर गरज और बिजली के साथ अगले 5 दिनों तक संभावना है।

पूर्व और मध्य भारत:

- **अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा** उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 7 से 13 अगस्त; ओडिशा में 7 से 9 अगस्त; बिहार में 7 से 9, 12 और 13 अगस्त; गांगेय पश्चिम बंगाल, झारखंड में 7 और 8 अगस्त; छत्तीसगढ़ में 11 से 13 अगस्त; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 11 अगस्त; विदर्भ में 13 अगस्त को संभावना है। **अति भारी वर्षा** बिहार में 8 अगस्त; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 7 और 11 अगस्त को संभावना है।
- **हल्की से मध्यम वर्षा** इस क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर गरज और बिजली के साथ अगले 5 दिनों तक संभावना है।

पश्चिम भारत:

- **अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा** मराठवाड़ा में 7 और 8 अगस्त; कोंकण और गोवा में 7, 8, 12 और 13 अगस्त; मध्य महाराष्ट्र में 7 अगस्त को संभावना है।
- **हल्की से मध्यम वर्षा** इस क्षेत्र में कई/कुछ स्थानों पर अगले 5-6 दिनों तक बहुत संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 7 अगस्त से 12 अगस्त 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

- **अरब सागर:** ओमान तट से सटे उत्तर-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में 8 से 12 अगस्त, दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों में; सोमालिया तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में 7 से 12 अगस्त तक न जाएं।
- **बंगाल की खाड़ी:** उत्तर ओडिशा और पश्चिम बंगाल तट से सटे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में 7 अगस्त को और गल्फ ऑफ मन्नार, कोमोरिन क्षेत्र और श्रीलंका तटों के कुछ हिस्सों में, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में 7 से 12 अगस्त तक न जाएं।

ii. 07 से 10 अगस्त 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा:** लेम्बुचेरा (जिला पश्चिम त्रिपुरा) 21; अगरतला एपी (जिला पश्चिम त्रिपुरा) 12; अगरतला एडब्ल्यूएस (जिला पश्चिम त्रिपुरा) 11 से मुलाकात; ज़ुन्हेबोटो (जिला ज़ुन्हेबोटो) 7;
- **असम और मेघालय**: मोरनहाट (जिला डिब्रूगढ़) 18; चौलधोवाघाट (जिला लखीमपुर) 9; मौसिनराम (जिला पूर्वी खासी हिल्स), चेरापूंजी (जिला पूर्वी खासी हिल्स), धेमाजी (जिला धेमाजी) 8 प्रत्येक; चेरापूंजी (आरकेएम) (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 7;
- **तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल**: वालाजाह (जिला रानीपेट) 13; कलावई पीडब्ल्यूडी (जिला रानीपेट) 10; वानीयंबाडी (जिला तिरुपत्तूर) 9; कलासपक्कम (जिला तिरुवन्नामलाई) 8; कलावई एडब्ल्यूएस (जिला रानीपेट), वेम्बक्कम (जिला तिरुवन्नामलाई), अर्कोट (जिला रानीपेट), जमुनामारथुर (जिला तिरुवन्नामलाई), पानापक्कम (जिला रानीपेट), पलार एनीकट (जिला रानीपेट) 7 प्रत्येक;
- **उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम**: दमदिम टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), गोपालपुर टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 10 प्रत्येक; संकोश (जिला कूच बिहार) 8; मूर्ति (जिला जलपाईगुड़ी), दीमा टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार), कुमारग्राम टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार), न्यूलैंड्स टी गार्डन (जिला अलीपुरद्वार) 7 प्रत्येक;
- **उत्तराखंड**: बड़कोट (जिला उत्तरकाशी) 10, रूड़की (जिला हरद्वार) 5;
- **ओडिशा**: हरभंगा (जिला बौधगढ़) 10; रायघर (जिला नवरंगपुर) 7;
- **रायलसीमा**: वेंकटगिरी कोटा (जिला चित्तूर) 9;
- **हिमाचल प्रदेश**: नैना देवी (जिला बिलासपुर) 9; आर एल बीबीएमबी (जिला बिलासपुर), पच्छाद (जिला सिरमौर) 7 प्रत्येक;
- **तेलंगाना**: तडवई (जिला कामारेड्डी), बांसवाड़ा (जिला कामारेड्डी) 7 प्रत्येक;
- **उत्तरी आंतरिक कर्नाटक**: कुकनूर (जिला कोप्पल) 7;
- **मराठवाड़ा**: धाराशिव आईएमडी पार्टटाइम (जिला धाराशिव) 7;
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश**: महसी (जिला बहराईच) 7;
- **झारखंड**: कुमारडुंगी (जिला पश्चिम सिंहभूम) 7.

अनुलग्नक II

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	7- Aug	8- Aug	9- Aug	10- Aug	11- Aug	12- Aug	13- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
7	ODISHA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
8	JHARKHAND	WS	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
9	BIHAR	FWS	WS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	FWS	FWS	SCT	FWS	WS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
12	UTTARAKHAND	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS	WS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	SCT	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	SCT	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
23	KONKAN & GOA	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	SCT	SCT
26	VIDARBHA	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
27	CHHATTISGARH	FWS	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
29	TELANGANA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
30	RAYALASEEMA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	FWS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	WS	FWS	FWS	WS	WS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	WS
35	KERALA AND MAHE	FWS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	WS
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	WS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

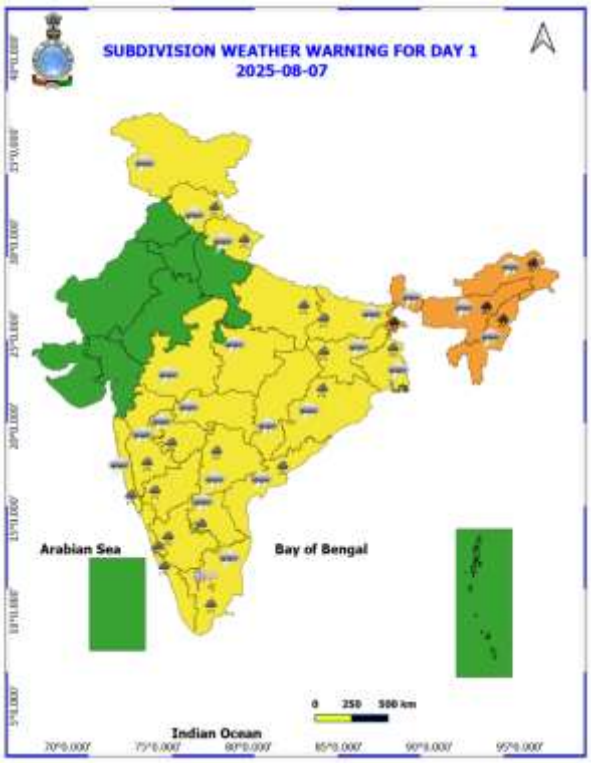
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-08-07
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

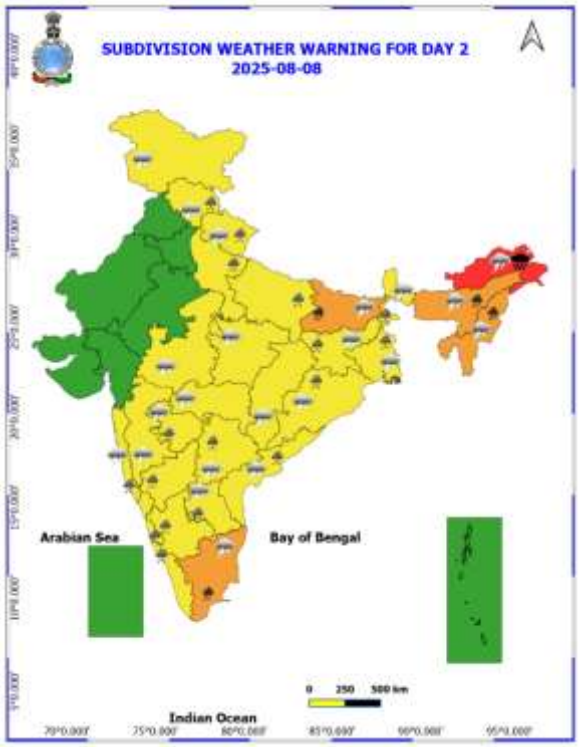
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-08-08
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

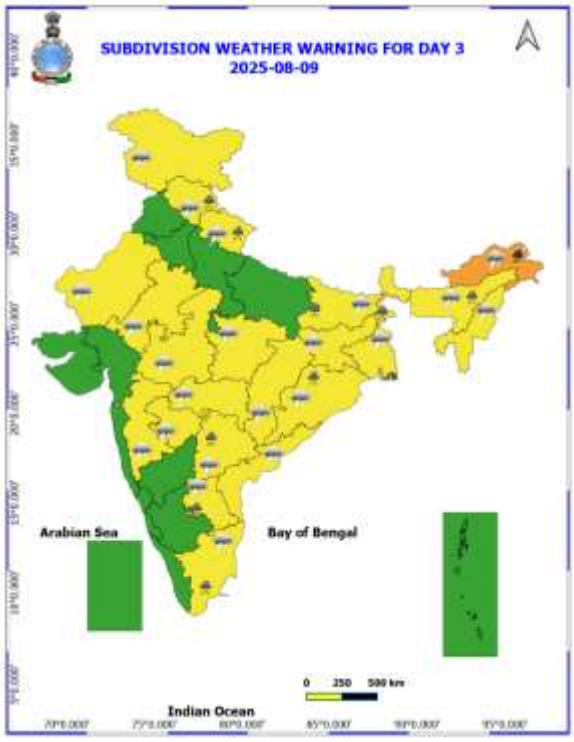
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-08-09
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

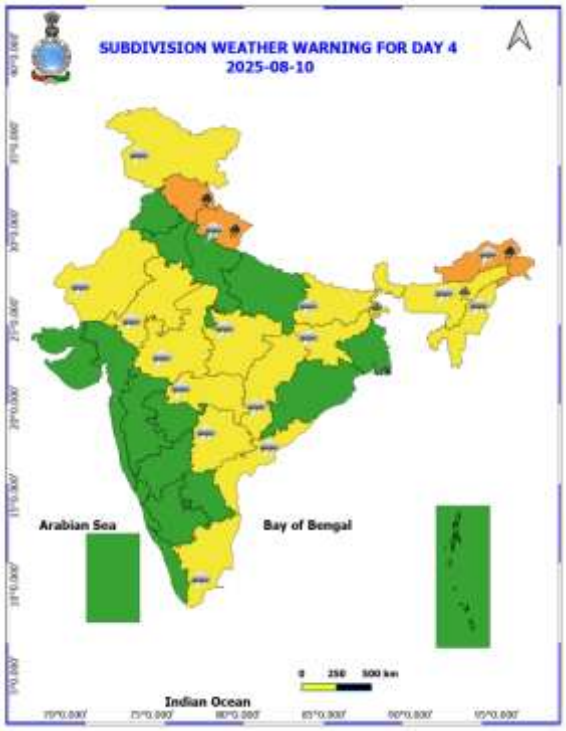

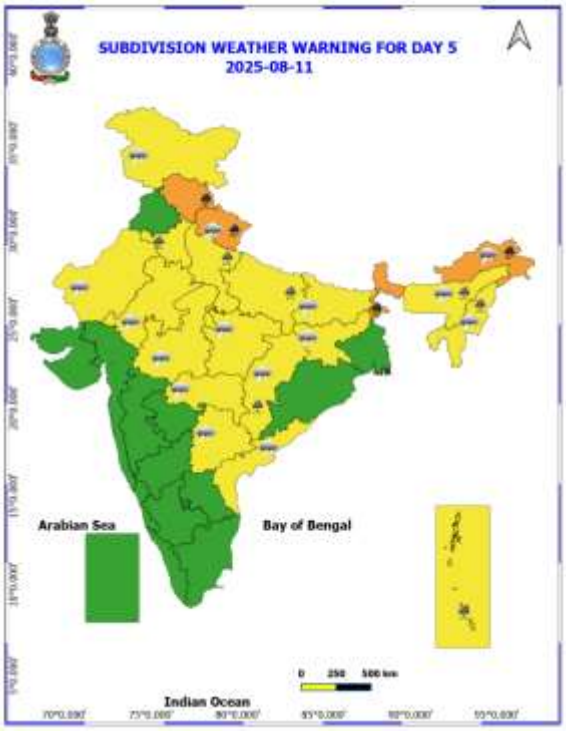

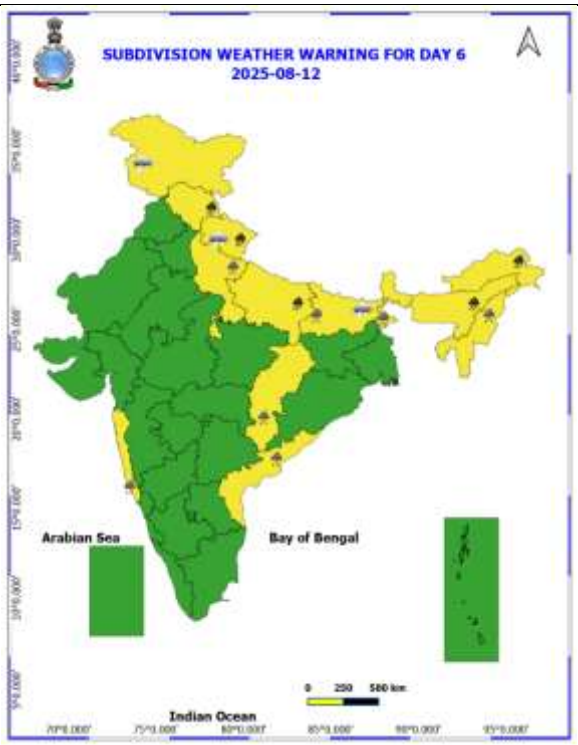

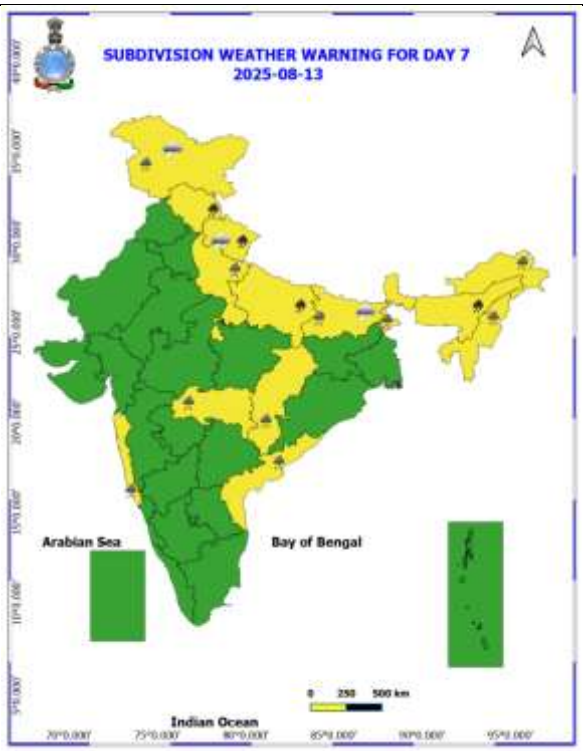

s

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक IV

दिल्ली/एनसीआर में 07 से 10 अगस्त 2025 के दौरान मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम: पिछले 24 घंटों में दिल्ली में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है और अधिकतम तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। न्यूनतम तापमान 24-26 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 34-36 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब और अधिकतम तापमान भी सामान्य के करीब रहा। दक्षिण-पश्चिमी हवाएँ चलीं, जिनकी गति 22 किमी प्रति घंटा तक थी। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में कोई उल्लेखनीय वर्षा दर्ज नहीं की गई। आज सुबह आंशिक रूप से बादल छाए रहे और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से हवाएँ चलीं।

मौसम पूर्वानुमान:

07.08.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। शाम/रात की ओर बहुत हल्की बारिश/बूँदाबाँदी की संभावना। दिल्ली में अधिकतम तापमान 36 से 38 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। प्रबल सतही हवाएँ सुबह और दोपहर में दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी। शाम और रात में हवा की गति 10-15 किमी प्रति घंटा रहेगी और दिशा पश्चिम होगी।

08.08.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ बौछारों की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 36 से 38 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 3 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। प्रबल सतही हवाएँ सुबह और दोपहर में उत्तर-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी। शाम और रात में हवा की गति 05-10 किमी प्रति घंटा होगी और दिशा दक्षिण होगी।

09.08.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ बौछारों की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 3 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 0 से 2 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। प्रबल सतही हवाएँ सुबह, दोपहर, शाम और रात में दक्षिण-पश्चिम दिशा से 05-10 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी।

10.08.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ बौछारों की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। प्रबल सतही हवाएँ सुबह में उत्तर-पूर्व दिशा से 05-10 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी। दोपहर, शाम और रात में हवा की गति 10-15 किमी प्रति घंटा तक बढ़ेगी और दिशा उत्तर-पूर्व रहेगी।

हल्की से मध्यम वर्षा और गरज-चमक के साथ बारिश के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- सावधान रहें और एहतियाती कदम उठाएं, क्योंकि गरज/बिजली गिरने की संभावना है।
- खड़ी फसलों को नुकसान, पेड़ों की टहनियों के टूटने से बिजली और संचार लाइनों को आंशिक से गंभीर नुकसान, कमजोर संरचनाओं को आंशिक क्षति, और ढीले सामान उड़ सकते हैं।
- लोगों को सलाह दी जाती है कि मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाएं। घर के अंदर रहें, खिड़की और दरवाजे बंद रखें, यात्रा से बचें यदि संभव हो, सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, कंक्रीट की ज़मीन पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से न लगें, विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, जल स्रोतों से तुरंत बाहर आ जाएं, और सभी विद्युत चालक वस्तुओं से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- ❖ 08 अगस्त को अरुणाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) होने की संभावना है।
- ❖ 07-12 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; 07, 08, 12 और 13 अगस्त को असम और मेघालय; 07 और 08 अगस्त को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा। 10-13 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और 12 और 13 अगस्त को पूर्वी उत्तर प्रदेश; 08 अगस्त को तमिलनाडु, बिहार; 07 और 11 अगस्त को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

- ❖ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- ❖ भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- ❖ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- ❖ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
- ❖ जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- ❖ इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- ❖ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- ❖ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- ❖ उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ **अरुणाचल प्रदेश** में, भारी बारिश बंद होने तक सभी फसलों की नई बुवाई और रोपाई स्थगित कर दें। लगभग पके हुए केले के गुच्छों की कटाई करें और उन्हें पकने के लिए सूखे और सुरक्षित स्थान पर रखें। धान, मक्का, रागी, सोयाबीन और सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों में जलभराव से बचाव हेतु उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। धान के खेतों में, खेत के कटाव और पौधों को बह जाने से रोकने हेतु मेड़ों को मज़बूत बनाएँ। भारी बारिश के दौरान फलदार पौधों को झुकने या टूटने से बचाने के लिए उन्हें मज़बूत सहारा प्रदान करें।
- ➢ **असम** में, जलभराव से बचाव हेतु, **निचले ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र** में साली धान, मूंग और अरहर के खेतों और केले के बागानों में; **उत्तरी तट के मैदानी क्षेत्र** में साली धान और गन्ने के खेतों में; **ऊपरी ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र** में साली धान के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- ➢ **मेघालय** में, धान, मक्का, हल्दी, मिर्च, भिंडी और करेले के खेतों में जलभराव से बचाव हेतु उचित जल निकासी सुxनिश्चित करें। केला, पपीता, लौकी आदि जैसी लंबी और नाज़ुक फसलों को गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।
- ➢ **नागालैंड** में, सतही जल अपवाह को नियंत्रित करने हेतु मक्के के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाएँ। धान के खेतों में अतिरिक्त जल की निकासी हेतु जल निकासी चैनलों को साफ रखें।
- ➢ **त्रिपुरा** में, धान, मिर्च और अदरक के खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखें।
- ➢ **उत्तराखंड** में, **भाबर और तराई क्षेत्र** में, पहले से बोई गई / रोपी गई धान, गन्ना, मक्का, उड़द, मूंग, मूंगफली, अरहर, रागी, सोयाबीन और सब्जियों की फसलों के खेतों में तथा **उप-आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में बाजरा, रागी, मूंग और उड़द की फसलों में

उचित जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें। **पहाड़ी क्षेत्र** में, सतही जल प्रवाह को रोकने हेतु मेड़ों को मज़बूत करें। मिट्टी में अत्यधिक नमी की स्थिति में मटर की बुवाई स्थगित कर दें। फसल के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें।

- **हिमाचल प्रदेश** में, **मध्य पर्वतीय उप-आर्द्र क्षेत्र** में मक्का, अदरक और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाएँ रखें।
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल** में, **पहाड़ी क्षेत्र** में धान, अदरक एवं सब्ज़ियों के खेतों तथा फलों के बागानों से और **तराई क्षेत्र** में अमन धान एवं सब्ज़ियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु उचित व्यवस्था करें। **तराई क्षेत्र** में मिर्च के पौधों को भारी बारिश से बचाने हेतु उन्हें प्लास्टिक से ढक दें।
- **बिहार** में, **उत्तर-पश्चिम जलोढ़ मैदानी क्षेत्र** में प्याज, मिर्च और फूलगोभी की नर्सरी एवं मक्का जैसी खड़ी फसलों से; **उत्तर-पूर्व जलोढ़ क्षेत्र** में मक्का, रागी, कोदो, सावा, चीना आदि फसलों से; तथा **दक्षिण बिहार के जलोढ़ क्षेत्र** के निचले इलाकों में मक्का, सब्ज़ियों, रागी, कोदो, सावा आदि फसलों में अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें और खेत की मेड़ों को मज़बूत करें।
- **केरल** में, धान, नारियल, केला और अदरक के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें। केले के बागानों को सहारा दें। सब्ज़ियों के पंडालों को मज़बूत बनाएँ।
- **तमिलनाडु** में, विशेष रूप से भारी मिट्टी और निचले इलाकों में, ज्वार के खेतों में जलभराव से बचाव हेतु उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। जड़ सड़न से बचाव हेतु नारियल के पौधों के आस-पास उचित जल निकासी बनाए रखें।
- **कर्नाटक** में, **तटीय क्षेत्र** में सुपारी और केले के बागानों में; **पहाड़ी क्षेत्र** में मक्का, कपास एवं अदरक के खेतों और सुपारी के बागानों में तथा **दक्षिणी संक्रमण क्षेत्र** में अदरक, मक्का, रागी और रोपे गए धान के खेतों एवं सुपारी और नारियल के बागानों में पर्याप्त जल निकासी सुविधाएं प्रदान करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

08-08-2025 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम अचानक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश - चांगलांग, दिबांग घाटी, लोहित, निचली दिबांग घाटी और अंजॉ जिले। असम और मेघालय - डिब्रूगढ़, जोरहाट, सिबसागर और तिनसुकिया जिले। एनएमएमटी - मणिपुर - बिष्णुपुर, चंदेल, चुराचांदपुर, सेनापति, थौबल और उखरुल जिले। मिजोरम - आइजोल और चम्फाई जिले। नागालैंड - दीमापुर, किफिरे, कोहिमा, लोंगलेंग, मोकोकचुंग, मोन, पेरेन, फेक, तुएनसांग, वोखा और जुन्हेबोटो जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण मानचित्र में दिखाए गए अनुसार चिंता के क्षेत्र (एओसी) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	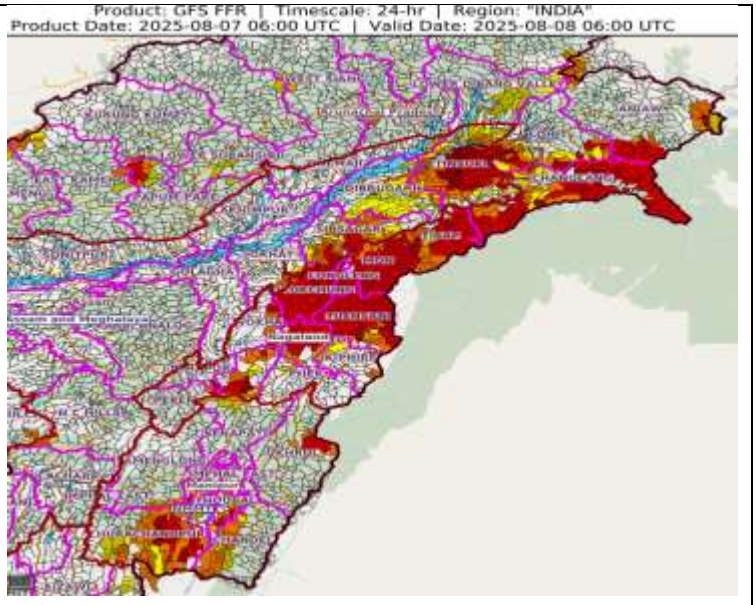
08-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम विभाग उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। गंगा तटीय पश्चिम बंगाल - मुर्शिदाबाद, नादिया और उत्तर 24 परगना जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	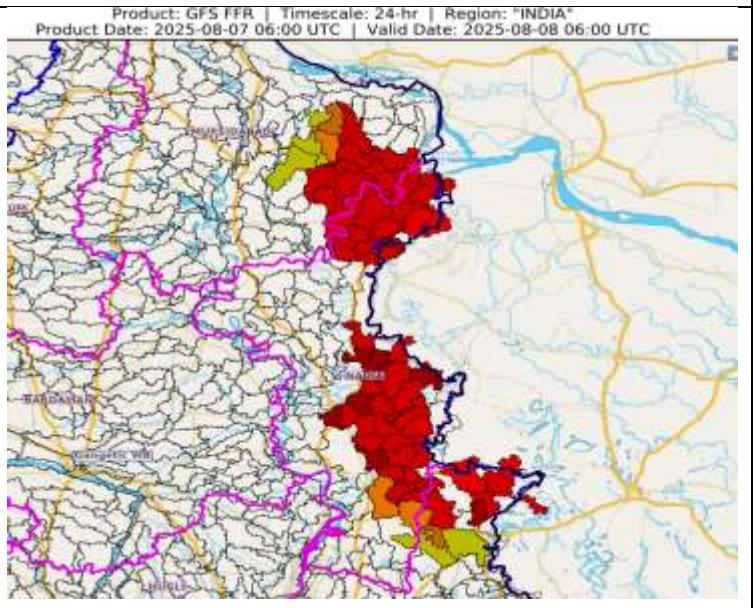

08-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश - शिमला और सिरमौर जिले। उत्तराखंड - अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, देहरादून, नैनीताल, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग और टिहरी गढ़वाल जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	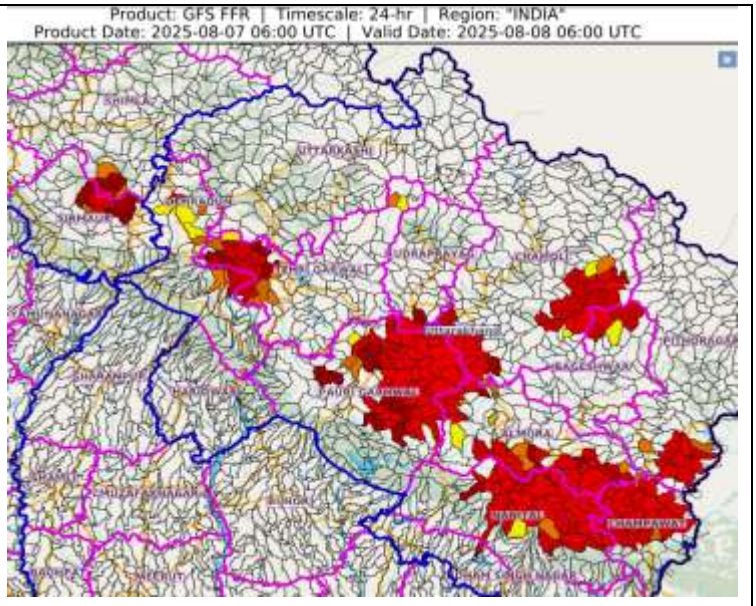

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

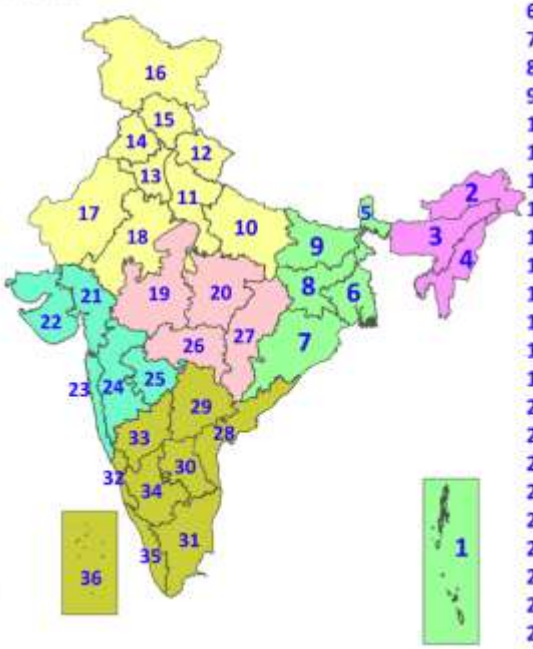

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)